थीम 1: सुनना और बोलना

बच्चे भाषण, कहानी, नाटक, कविता और अब वक्तव्य आदि को ध्यानपूर्वक सुन कर समझते हैं। **सुनी गई सामग्री के मुख्य भाव और सार को स्पष्ट उच्चारण के साथ बताते हैं।** सामूहिक क्रियाओं के लिए निर्देशों को सुनकर क्रमवार उनका पालन करते हैं। सुनी गई कहानी, कविता और अपने अनुभवों को प्रवाहपूर्ण भाषा में सुनाते हैं।

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- पूर्व कक्षाओं में अर्जित कौशलों का सहज उपयोग कर सकेंगे और दिन-प्रतिदिन के जीवन की आवश्यकताओं के अनुसार उनका विस्तार कर सकेंगे।
- सरल **वक्तव्यों और भाषणों को सुनकर समझ सकेंगे।**
- किसी क्रियाकलाप को करने के लिए दिए गए **क्रमवार निर्देशों को सुनकर समझ सकेंगे** और उनका पालन कर सकेंगे। खेल के मैदान में सांस्कृतिक आयोजनों आदि पर **निर्देश दे सकेंगे।**
- समसामयिक विषयों पर आयोजित समूह चर्चाओं में भाग लेंगे और अपने तर्कसम्मत विचार स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकेंगे।
- प्रश्नों को ध्यान से सुनकर समझ सकेंगे और उनका तर्कसम्मत उत्तर दे सकेंगे।
- किसी घटना, कहानी, प्रसंग विशेष का प्रत्यास्मरण कर सुना सकेंगे।
- **अधूरी कहानी को अपनी कल्पना, अनुभवों के आधार पर पूरा कर सकेंगे।**
- **तुकबंदी वाली कविताओं को आगे बढ़ा सकेंगे।**
- समाचार पत्र के समाचार पढ़कर प्रातः कालीन सभा में सुना सकेंगे।
- रेडियो / मोबाइल फ़ोन / कंप्यूटर आदि द्वारा सुनाए जा रहे संवाद को ध्यान से सुनकर अपने अनुमान से वस्तुस्थिति का पूरा परिचय दे सकेंगे।
- अपने सहपाठियों के घरों में तथा आसपास के परिवेश में बोली जाने वाली अनौपचारिक भाषा तथा विद्यालय की औपचारिक भाषा के अंतर को पहचान सकेंगे।

सुनना और बोलना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
▸ सरल वक्तव्य और भाषण ▸ कहानी / घटना / तथ्यों का संग्रह और प्रत्यास्मरण ▸ कक्षा / प्रातः कालीन सभा में समाचारों का श्रवण ▸ दैनिक समाचार ▸ बाल-साहित्य से ली गई विभिन्न विषयों की कहानियाँ	▸ अतिथियों को आमंत्रित करके वक्तव्य / भाषण का आयोजन करवाएँ। ▸ वक्तव्य / भाषण ऑडियो / वीडियो द्वारा भी सुनवाएँ। ▸ कहानियाँ सुनाएँ / पढ़वाएँ। अधूरी कहानी को अपनी कल्पना और अनुभवों के आधार पर पूरा करने के लिए कहें। ▸ बच्चों को पुस्तकालय का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें।	▸ सी०डी० ▸ ऑडियो / वीडियो ▸ वीडियो क्लिपिंग ▸ समाचार पत्र ▸ बाल – साहित्य

सुनना और बोलना		
सुझावित विषय / क्षेत्र	**सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**सुझावित अधिगम स्रोत**
▷ समसामयिक विषय जैसे – प्रदूषण, जल संकट, त्योहार ▷ विद्यालय के नियम, खान – पान की बदलती तस्वीर (फास्ट फूड), वायरल फीवर – बचाव के तरीके आदि पर चर्चा ▷ रोचक संस्मरण ▷ पाठों एवं उनसे इतर पठन सामग्री पर प्रश्न-उत्तर	▷ कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत करवाएँ। ▷ सामूहिक चर्चा का आयोजन करवाएँ। ▷ वीडियो क्लिपिंग दिखाकर भी सामूहिक चर्चा का अवसर दें। (छोटे समूह में, बड़े समूह में, चर्चा के अवसर दिए जाएँ)। ▷ बच्चों को अपने परिवार, मित्र या आस-पड़ोस के रोचक संस्मरण सुनाने के लिए प्रेरित करें। ▷ पाठों एवं उनसे इतर पठन सामग्री पर मौखिक प्रश्न-उत्तर सत्र का आयोजन करें। ▷ बच्चों द्वारा संकलित तथ्यों / कहानियों / प्रसंगों को साझा करने के अवसर प्रदान करें। ▷ समाचार पत्रों से प्रातःकालीन सभा में समाचारों का वाचन करवाएँ।	

थीम 2: पढ़ना एवं लिखना (पठन एवं लेखन कौशल)

बच्चे हस्तलिखित और मुद्रित सामग्री को समझकर पढ़ते हैं। उसके मुख्य भाव तथा सार को अपने शब्दों में लिखते हैं। वे अनुच्छेद, औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लिखने लगते हैं। **मुहावरों को समझकर उनका प्रयोग करते हैं। उनके शब्द – भंडार में तेजी से वृद्धि होती है।**

अधिगम उपलब्धियाँ (Learning outcomes):

- पूर्व की कक्षाओं में अर्जित कौशलों का सही प्रयोग कर सकेंगे।
- सुनी और पढ़ी कहानी से अपने संस्मरण जोड़कर लिख एवं पढ़कर सुना सकेंगे।
- सुनी और पढ़ी कहानी को अपने शब्दों में लिख सकेंगे और पढ़कर सुना सकेंगे।
- **बाल साहित्य और पत्रिकाओं से कविताएँ, कहानियाँ, नाटक आदि विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए उचित बलाघात व अनुतान से पढ़कर सुना सकेंगे।**
- **सुनी और पढ़ी कहानी के आधार पर पूछे गए 'क्यों' और 'कैसे' प्रश्नों के उत्तर लिख सकेंगे। स्वयं तरह – तरह से प्रश्न बना सकेंगे।** जैसे –
  - *पठन क्षमता का आकलन करने वाले प्रश्न।*
  - *कहानी को विस्तार देने वाले प्रश्न।*
  - *तर्क प्रस्तुत करने वाले प्रश्न।*
- अधूरी कहानी पूरी कर के लिख सकेंगे और पढ़कर सुना सकेंगे।
- स्थानीय समुदाय के किसी व्यक्ति (उल्लेखनीय) कारीगर, श्रमिक आदि से भेंटवार्ता के लिए **प्रश्नावली तैयार कर सकेंगे और भेंटवार्ता की कार्यवाही को लिखित रूप से दर्ज** कर सकेंगे।
- **दूसरों की लिखी हस्तलिखित सामग्री को पढ़ सकेंगे।**
- वाक्य संरचनाओं को समझ सकेंगे और दिए गए विषय पर **अनुच्छेद तथा अनौपचारिक और औपचारिक पत्र लिख सकेंगे** (वर्तनी और विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए) रचनात्मक लेखन कर सकेंगे।

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
➤ विभिन्न विषयों जैसे – साहस, देशभक्ति, वीरता, बलिदान, जीवन-मूल्यों, प्रेम, संवेदनशीलता आदि की कहानियों का पठन एवं लेखन ➤ स्थानीय समुदाय के महत्वपूर्ण व्यक्ति, कारीगर, श्रमिक आदि से भेंटवार्ता के लिए प्रश्न – निर्माण ➤ हस्तलिखित सामग्री पठन	➤ विभिन्न विषयों की कहानियाँ विराम चिह्नों और उचित अनुतान के साथ बच्चों से पढ़वाएँ। ➤ कहानियों की घटनाओं, पात्रों आदि के प्रति प्रतिक्रिया प्रकट करने को कहें। ➤ कहानियों से संबंधित – प्रश्नों के उत्तर लिखने को कहें। ➤ कहानी के बारे में उनसे प्रश्न बनवाएँ। बच्चों से अधूरी कहानी को लिखकर पूरा करने के लिए कहें।	➤ बाल साहित्य ➤ पत्र – पत्रिकाएँ ➤ व्याकरण के चार्ट, कार्ड, पोस्टर ➤ सी०डी० ➤ ऑडियो / वीडियो ➤ भाषायी खेल – वर्ग – पहेली, शब्द – सीढ़ी आदि

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
संदर्भ में व्याकरण ▷ पूर्व की कक्षाओं में सीखी गई व्याकरणिक संरचनाओं की पहचान एवं प्रयोग की गतिविधियाँ ▷ संज्ञा के भेदों – व्यक्तिवाचक, जातिवाचक, एवं भाववाचक की पहचान ▷ सर्वनाम की पहचान एवं व्यावहारिक प्रयोग ▷ विशेषण एवं क्रिया का प्रयोग ▷ लिंग और वचन की पहचान एवं अनुप्रयोग और परिवर्तन ▷ अनेक शब्दों के लिए एक शब्द ▷ समानार्थी शब्द / अनेकार्थी शब्द ▷ रचनाओं में आए मुहावरे **रचनात्मक लेखन** ▷ अनुच्छेद लेखन - लगभग 80 शब्द - ☛ *चित्र आधारित* ☛ *निर्देशित* ▷ रोचक एवं कल्पनाशीलता का पोषण करने वाले विषय, जैसे – ☛ *यदि मैं तितली बन जाऊँ, यदि आकाश में दो चंद्रमा आ जाएँ, चौथी कक्षा में मेरा पहला दिन, वर्षा और सड़कों पर जमा होता पानी, मेरा मनपसंद खेल आदि* ▷ पत्र लेखन - अनौपचारिक (संबंधियों, मित्रों को पत्र, जैसे अपनी पढ़ाई के बारे में बताना, जन्मदिन पर निमंत्रण, बधाई देना आदि)	▷ सभी बच्चों से अपनी – अपनी कहानी का वाचन करवाएँ। ▷ भेंटवार्ता के लिए प्रश्न सूची तैयार करवाएँ। ▷ भेंटवार्ता से प्राप्त जानकारी बच्चों से लिखकर लाने को कहें। ▷ बच्चों को एक दूसरे की लिखित सामग्री पढ़कर सुनाने को कहें। ▷ पाठ्य – सामग्री में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि शब्दों की पहचान करवाएँ और बच्चों से छाँटने के लिए कहें। ▷ छाँटे गए संज्ञा शब्दों के भेदों की पहचान करवाएँ। ▷ लिंग और वचन की पहचान करवाएँ। यह कार्य सिर्फ **शब्दों** से न करवाया जाए बल्कि समूचे वाक्य के आधार पर करवाया जाए। जैसे – ☛ *एक **लड़का** मेरी कक्षा में आया।* ☛ *एक **लड़की** मेरी कक्षा में आई।* ☛ *फूल पर **तितली** बैठी है।* ☛ *फूल पर **तितलियाँ** बैठी हैं।* ▷ इसी प्रकार काल, क्रिया आदि का अभ्यास पूरे – पूरे वाक्यों में करवाएँ। ▷ अनेकार्थी शब्दों के अभ्यास वाक्य में करवाएँ जैसे - ☛ *मेरे मित्र ने फूलों से सुंदर **हार** बनाया।* ☛ *वह खेल में **हार** गया।* ▷ पाठ्य सामग्री में प्रयुक्त मुहावरों की ओर संकेत करें और बच्चों से वाक्य बनवाएँ जिसमें उनका अर्थ स्पष्ट हो। ▷ बच्चों को औपचारिक और अनौपचारिक पत्रों का प्रारूप लिखकर बताएँ। ▷ उचित विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए छोटे छोटे अनुच्छेदों में पत्र लिखने को कहें। ▷ बच्चों के लिखे पत्रों को बुलेटिन बोर्ड पर प्रदर्शित करें। ▷ चित्र देखकर उस पर एक अनुच्छेद लिखने के	▷ चित्र ▷ बुलेटिन बोर्ड

पढ़ना एवं लिखना

सुझावित विषय / क्षेत्र	सुझावित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	सुझावित अधिगम स्रोत
औपचारिक (प्रधानाध्यापक या कक्षाध्यापक को अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र, गमला टूटने पर क्षमा – याचना पत्र)	लिए कहें। कुछ शब्द देकर अनुच्छेद लिखवाएँ। कल्पनाशक्ति व सोच को विकसित करने वाले विषयों पर बच्चों से अनुच्छेद लिखवाएँ। बच्चे अपनी लिखित सामग्री पढ़कर सुनाएँ। बच्चों के लेखन को बुलेटिन बोर्ड पर प्रदर्शित करें।	